

## ..... परन्तु तापमान फ्लैश बिन्दु (Flash Point) से कम था !

मार्च 2017

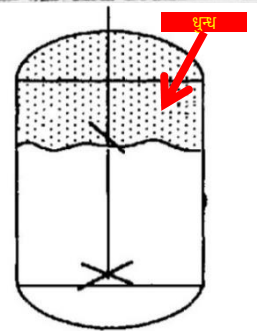
1986 में एक पाइलट संयंत्र में एक 10 गैलन ( 38 लिटर) पात्र में विस्फोट हुआ। 250 पीएसआईजी (psig) ( 1825 KPa) पर शुद्ध ऑक्सिजन वातावरण में ऑक्सीकरण अभिक्रिया चल रही थी। यह सोचा गया था कि उपकरण में वातवरण कोई प्रज्वलन से सुरक्षित है क्योंकि उपकरण में सामग्री का तापमान ऑक्सिजन वातावरण में फ्लैश बिन्दु से 50 डिग्री कम था और ईंधन वाष्प सघनता निम्न विस्फोट सीमा (LEL) से कम थी। विस्फोट होने से पूर्व प्रक्रिया 41 मिनट तक स्थिर थी। 750 psig (~5200 KPa) पर चालित रिएक्टर के छितरे छितरे उड़ गये और इस के फल स्वरूप सुविधा को बहुत भरी क्षति पहुंची ( चित्र 1) और इससे कई छोटी छोटी आग की घटनाएँ घटित हुईं। भाग्यवश, कोई आहत नहीं हुआ।

चूंकि उपकरण सामग्री के फ्लैश बिन्दु से कम पर चालित था, उपकरण

के भीतर ईंधन वाष्प की सघनता इतनी कम थी, इस का ज्वलित होना काफी कठिन था। विस्फोट होने की संभावना बहुत कम होनी चाहिए थी। परन्तु ईंधन केवल वाष्प के रूप में विद्यमान न हो। ( धूल से होने वाले विस्फोटों का स्मरण करें)। जांच से पता चला कि उपकरण के आंदोलक ( Agitator) से द्रव्य के बूंदों की पतली सी बौछार उत्पन्न हुई। (चित्र 2) छोटी छोटी बूंदों का औसत आकार लगभग 1 माइक्रोन था। तुलना में, मनुष्य के बालों का व्यास बूंदों के आकार से 40-50 गुणा अधिक होता है। ज्वलनशीलता के परीक्षण से यह स्पष्ट रूप से प्रकट हुआ कि बूंदों की धुन्ध वायु में सामान्य तापमान पर भी ज्वलित हो सकती है – और शुद्ध ऑक्सिजन वातावरण में धुन्ध और भी सरलता से ज्वलित हो सकती है। उपकरण के अंदर ईंधन और ऑक्सिजन दोनों विद्यमान थे – परन्तु चिंगारी मिलने का क्या स्त्रोत था ? यद्यपि विस्फोट होने के पीछे यह बहुत ही कठिन होता है कि चिंगारी मिलने का क्या सही स्त्रोत था, जांच से यह पता चला कि चिंगारी का स्त्रोत एक दूषण कारी पदार्थ था, जो कि उपकरण में पिछले हुए परीक्षण का अवशेष था। यह अपघटित हो गया और धुन्ध को प्रज्वलित करने में यह पर्याप्त था।

[संदर्भ: Kohlbrand, H. T., Plant/Operations Progress 10 (1), pp. 52-54 (1991).]

चित्र 1 : सुविधा की क्षति



चित्र 2 : क्या घटित हुआ ?  
आंदोलक के कारण ज्वलनशील तरल धुन्ध में परिवर्तित हो गया।

### क्या आप जानते हैं ?

- A ज्वलनशील तरल की धुन्ध द्रव्य के फ्लैश बिन्दु से कम तापमान पर ईंधन वाष्प- वायु के मिश्रण के रूप में विस्फोटक हो सकती है। विस्फोट की प्रक्रिया धूल से होने वाले विस्फोट की समतुल्य है और इस प्रक्रिया में ईंधन छोटे ठोस कणों के बजाय तरल रूप में विद्यमान है।
- तरल की धुन्ध कई प्रकार से निर्मित हो सकती है। इस घटना में तरल के सतह के पास आंदोलक से हुई भीषण हलचल से धुन्ध का निर्माण हो गया। दबाव वाली पाइप, उपकरण या कोई अन्य पात्र में तरल के हुए स्त्राव से भी धुन्ध बन सकती है – उदाहरण के लिए, एक फ्लैज से स्त्राव, दबाव वाले पाइप या उपकरण में छिद्र से या पंप की सील
- यह मत भूले कि उपयोगी या अनुरक्षण प्रणाली से स्त्राव ज्वलनशील धुन्ध में परिवर्तित हो सकता है। उदाहरण के लिये, स्नेहक, ऊष्मा स्थानांतरण, या ईंधन तेल से स्त्राव होने पर आग लगने की घटनाएँ घटित हो चुकी हैं।

### आप क्या कर सकते हैं ?

- जब आप स्त्राव या फैलाव पर कारवाई कर रहे हैं, ज्वलनशील या दहनशील तरल की धुन्ध से होने वाले आग या विस्फोट संभावित खतरों के बारे में जागरूक रहें। यदि धुन्ध विद्यमान है, यह मत मान लें कि तापमान फ्लैश बिन्दु से कम है और इस कारण कोई खतरा नहीं है। आप उसी प्रकार से सावधानी बरतें जैसे कि आप स्त्राव होने की स्थिति में ज्वलनशील वाष्प को नियंत्रित करने में और लोगों को बचाने में करेंगे।
- यदि आप किसी प्रोसेस उपकरण में कोई धुन्ध या कोहरा देखते हैं, आप प्रबंधन को इस की सूचना दे दें ताकि उचित निवारक उपायों का समय पर प्रबन्ध किया जा सके।
- जैसे ही आप ज्वलनशील या दहनशील सामग्री जिनमें उपयोगी सेवाएँ भी सम्मिलित हैं; शीघ्रता से इन के बारे में सूचना दें।

**याद रखें कि ज्वलनशील पदार्थों से पैदा होने वाली धुन्ध आग या विस्फोट में परिवर्तित हो सकती है!**